संकष्टी गणेश चतुर्थी पूजा विधि PDF

1. गणेश जी की पूजा करने के लिए सबसे पहले हथेली में जल, अक्षत एवं पुष्प लेकर भगवान का ध्यान करें।
2. इसके बाद पुष्प और अक्षत लेकर चौकी को समर्पित करें।
3. फिर एक सुपारी में मौली लपेटकर उसको चौकी पर स्थापित कर दें।
4. इस बात का ध्यान रखें कि कलश उत्तर पूर्व दिशा और चौकी की बाई ओर हो स्थापित हो।
5. इन सब के बाद भगवान गणेश को याद करें और भगवान के चरणों में अपना ध्यान लगाएं।
6. उसके बाद भगवान के सामने दीप जलाएं अंत में पंचोपचार के अनुसार भगवान गणेश की पूजा करें।
   जो निम्नलिखित प्रकार से है –

- सबसे पहले आवन प्रक्रिया प्रारंभ करें।
- इसके बाद स्थान ग्रहण करें।
- एक हथेली में जल लेकर भगवान गणेश मंत्र पढ़ते हुए भगवान गणेश के चरणों को जल को अर्पित करें।
- फिर चंद्रमा का मंत्र पढ़ते हुए तीन बार जल चढ़ाएं।
- उसके बाद पान का पत्ता लेकर छींटें मारे।
- इसके बाद भगवान को सिलेसिलाए वस्त्र, एवं कलावा चढ़ाएं. मालाएं, पगड़ी, जनेऊ, हार, आदि अर्पित करें।
- और सबसे अंत में फूल, धूप, दीप, पान के पत्ते पर फल, मिठाई, मेवे आदि अवश्य अर्पित करें।

pdfinbox.com